रक्षा सौदे की जाँच जरुरी

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-II (गवर्नेंस) से संबंधित है।

द हिन्दू

11 नवम्बर, 2021

बोली प्रक्रिया और राफेल बिक्री समझौते दोनों में बिचौलियों की भूमिका की जाँच होनी चाहिए।

फ्रांस से 36 राफेल लड़ाकू विमानों के पहले बैच के आने के एक साल से अधिक समय के बाद, विमानों की उच्च गुणवत्ता और भारतीय वायु सेना की आवश्यकताओं के लिए उनके फिट होने के बावजूद, राफेल पर विवाद समाप्त होने से रुक नही रहा। एक तरफ जहाँ भारतीय सेना अपने लड़ाकू स्क्वाड्रनों को बढ़ाने के लिए बेताब है वहीं दूसरी ओर उससे जुड़ी भ्रष्टाचार की खबर भी लगातार बाहर आती जा रही हैं।

मिडियापार्ट, एक फ्रांसीसी पोर्टल, ने अब कथित चालानों का एक सेट प्रकाशित किया है, और दावा किया है कि डसॉल्ट एविएशन ने बिचौलिए और रक्षा ठेकेदार सुशेन गुप्ता को 2007-2012 के बीच रिश्वत में 7 मिलियन यूरो से अधिक का भुगतान किया, जब कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सत्ता में थी। साथ ही इस न्यूज पोर्टल ने दावा किया है कि सीबीआई के पास अक्टूबर 2018 से इसका सबूत भी है। द हिंदू सहित कई अखबारों में पहले की जाँच में प्रक्रियात्मक उल्लंघनों का खुलासा भी हुआ था, जिनमे लड़ाकू जहाजों की उच्च कीमत, ऑफसेट भागीदारों की चुनने में, भ्रष्टाचार विरोधी धाराओं को हटाने पर सवाल भी उठाए गए थे। साथ ही 2016 में हस्ताक्षरित भारत-फ्रांस अंतर-सरकारी समझौते (IGA) से संबंधित अन्य मुद्दों के बीच बैंक गारंटी की आवश्यकता को माफ करने पर भी प्रश्न उठाया गया था। मीडियापार्ट के लेख बिचौलियों की दोनो स्तर पर संदिग्ध भूमिका की ओर इशारा करते हैं- पहले जब 126 विमान खरीदने का प्रस्ताव दिया गया था, जो बाद में वापस ले लिया गया था, और बाद में 2016 में विमान को लाने जो डील हुई उसमें भी।

अप्रैल, 2021 में, मीडियापार्ट ने विस्तृत रूप से बताया था कि फ्रांसीसी भ्रष्टाचार विरोधी एजेंसी ने पाया था कि डसॉल्ट ने गुप्ता द्वारा चलाई जा रही कंपनी को राफेल के 50 मॉडलों के निर्माण के लिए एक मिलियन यूरो से अधिक का भुगतान किया था।जबकि कंपनी विमान मॉडल बनाने में विशेषज्ञता भी नहीं रखती है। इसके अलावा कंपनी ने विदेशी खातों और शेल कंपनियों को गुप्त कमीशन के रूप में कई मिलियन यूरो का भुगतान किया है। इसने यह भी आरोप लगाया था कि उसने डसॉल्ट एविएशन को अंतर-सरकारी समझौते से संबंधित क्लासिफाइड दस्तावेजों की आपूर्ति की थी, यहाँ तक कि डसॉल्ट और भारतीय वार्ता टीम के बीच बेंचमार्क मूल्य निर्धारण के प्रमुख मुद्दे पर गतिरोध था।

राफेल सौदे पर अपनी मूल्य-संशोधित ऑडिट रिपोर्ट में, फरवरी 2019 में संसद में पेश की गई कैग रिपोर्ट, 2007-12 के बीच पहले की बोली प्रक्रिया की जांच करते हुए, रक्षा खरीद में प्रक्रियात्मक उल्लंघन की ओर इशारा करती थी।

उस समय डसॉल्ट की तकनीकी बोली को खारिज कर दिया गया था और बाद में इसे बोली-अनुपालन गुणात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भारत-अनुकूल निर्माण विशेषताओं को शामिल करने की अनुमति दी गई थी। रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट रूप से कहा गया है कि रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया में सुधारों और इसे सुव्यवस्थित करने की आवश्यकता है। ऐसे बिंदु जो नए खुलासे से पुष्ट होते हैं जो एक विशेष विक्रेता के पक्ष में खरीद प्रक्रिया में रक्षा बिचौलियों की भूमिका पर प्रकाश डालते हैं ,कम से कम इनको लेकर सीबीआई और ईडी जैसी जाँच एजेंसियों को बोली प्रक्रिया और अंतर-सरकारी समझौते में गुप्ता की भूमिका की जांच करनी चाहिए थी।

सरकार राफेल सौदे के बारे में बार-बार उठने वाले सवालों को दूर नहीं कर सकती है और उसे खरीद प्रक्रिया की जाँच शुरू करनी चाहिए। आखिरकार, रक्षा तैयारियों और राष्ट्रीय सुरक्षा हितों से यह तय होता है कि रक्षा खरीद में प्रक्रियात्मक औचित्य के साथ-साथ परिचालन तैयारी भी साथ-साथ चलती है।

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

प्र. निम्नलिखित में से कौन राफेल की निर्माणकर्ता कंपनी है?

(a) अगस्ता वेस्टलैंड

(b) रिलायंस डिफेंस

(c) डसॉल्ट एविएशन

(d) a एवं c दोनों

Expected Question (Prelims Exams)

Q. Which of the following is the manufacturing company of Rafale?

(a) AgustaWestland

(b) Reliance Defense

(c) Dassault Aviation

(d) Both a and c

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्र. 'भारत मे रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया में सुधारों और इसे सुव्यवस्थित करने की आवश्यकता है।' इस कथन का विश्लेषण करें तथा भारत सरकार द्वारा इस दिशा में अभी तक किये गए प्रयासों की भी चर्चा करें। (250 शब्द)

Q. 'There is a need to reform and streamline the defense acquisition process in India.' Analyze this statement and also discuss the efforts made by the Government of India in this direction so far. (250 Words)

नोट :- अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रख कर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्त्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।